भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3526

24 मार्च, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

आयुष स्वास्थ्य देखभाल का डिजिटलीकरण

3526. डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्री मस्तान राव यादव बीडाः
डा. कविता पाटीदार:
डा. परमार जशवंतसिंह सालमसिंहः

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या मंत्रालय ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत आयुष सुविधाओं को राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पारितंत्र के साथ एकीकृत किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में कितने आयुष चिकित्सक डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफार्मों पर पंजीकृत हैं और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड जारी करते हैं;

(ग) क्या ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में आयुष प्रणालियों पर आधारित टेलीमेडिसिन सेवाएं शुरू की गई हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या मंत्रालय आयुष निदान, औषधि मानकीकरण या उपचार प्रोटोकॉल के लिए एआई-आधारित उपकरण विकसित करने का विचार रखता है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पारंपरिक आयुष औषधियों और उपचारों का राष्ट्रीय डिजिटल संग्रह बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): जी हां, आयुष मंत्रालय ने, आयुष ग्रिड पहल के अंतर्गत, आयुष अस्पतालों में उपयोग के लिए आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एएचएमआईएस) विकसित की है। एएचएमआईएस आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के अंतर्गत राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य पारिस्थितिकी तंत्र के अनुरूप है और यह निगरानी एवं सामुदायिक कल्याण के लिए मानकीकृत निदान, सेवा वितरण और डेटा प्रबंधन में सहयोग प्रदान करती है।

(ख): आज की तारीख में आयुष स्वास्थ्य सुविधाओं में कार्यरत 2350 स्वास्थ्य पेशेवर डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड जारी कर रहे हैं।

(ग): ई-संजीवनी के माध्यम से प्रदान की जाने वाली आयुष टेलीमेडिसिन सेवाओं ने आयुष ओपीडी को संचालित करके और ई-संजीवनी आयुष्मान भारत-आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एबी-एएएम) के अंतर्गत हब-एंड-स्पोक मॉडल को लागू करके दूरस्थ और अल्प सेवित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का विस्तार किया है।

इन पहलों से अनावश्यक यात्रा के बिना परामर्श तक पहुंच, अंतिम छोर तक सेवा वितरण के सुदृढ़ीकरण और आयुष विशेषज्ञों की कार्य कुशलता के उपयोग में सुधार हुआ है।

(घ): आयुष ग्रिड परियोजना आयुष क्षेत्र के आईटी के आधार के रूप में कार्य करती है, जो स्वास्थ्य सेवा, अनुसंधान एवं विकास, आयुष औषधियाँ, शिक्षा एवं जागरूकता आदि विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करके डिजिटल परिवर्तन को गति प्रदान करती है। इस पहल के अंतर्गत, कई डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किए गए हैं, जैसे कि आयुष मंत्रालय का मास्टर पोर्टल 'माय आयुष इंटीग्रेटेड सर्विसेज पोर्टल' (एमएआईएसपी), जो आयुष से संबंधित विभिन्न अनुप्रयोगों और सेवाओं को एकीकृत और सुव्यवस्थित करता है। निदान एवं सेवा वितरण के लिए आयुष अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एएचएमआईएस), साक्ष्य-आधारित अनुसंधान को समर्थन देने के लिए आयुष अनुसंधान पोर्टल और राष्ट्रीय आयुष रुग्णता एवं मानकीकृत शब्दावली इलेक्ट्रॉनिक (नमस्ते) पोर्टल भी विकसित किए गए हैं। ई-औषधि पोर्टल को आयुष औषधि निर्माण इकाइयों और औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं को लाइसेंस के लिए आवेदन करने, उन पर कार्रवाई करने और लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने के लिए विकसित किया गया है।

(ङ): ट्रेडिशनल नॉलेज डिजिटल लाइब्रेरी (टीकेडीएल) वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) तथा तत्कालीन भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी विभाग (अब आयुष मंत्रालय) संयुक्त परियोजना द्वारा 2001 में स्थापित किया गया था।

टीकेडीएल में इस समय भारतीय चिकित्सा पद्धतियों (आईएसएम) जैसे आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और योग से संबंधित प्राचीन ग्रंथों से ली गई जानकारी भी दी गई है। टीकेडीएल के डेटाबेस में स्थानीय भाषाओं जैसे संस्कृत, हिंदी, तमिल, मलयालम, अरबी, फारसी, उर्दू, भोटी आदि में मौजूद जानकारी को पांच अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं अर्थात् अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश और जापानी में लिप्यंतरित किया गया है।

टीकेडीएल डेटाबेस में अब तक आईएसएम और योग पद्धतियों से संबंधित कुल 519978 औषधयोग/तकनीकों को संलेखित किया गया है। इनमें आयुर्वेद के 148846 औषधयोग/तकनीकें, यूनानी की 265496, सिद्ध की 89403, सोवा रिग्पा की 9097 और योग पद्धतियों की 7136 औषधयोग/तकनीकें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, इसमें आयुर्वेद, यूनानी, सिद्ध और सोवा रिग्पा से संबंधित 2935 शल्य चिकित्सा विधियाँ, उपकरण/औजार, थेरेपी और आहार संबंधी उपचार भी उपलब्ध हैं।

*****